नईदुनिया

दुनिया के 65.5 करोड़ लोगों के पास बिजली की सुविधा नहीं, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

पेरिस

विकास के एजेंडे में आज ऊर्जा क्षेत्र सबसे ऊपर है। बावजूद इसके दुनिया भर में 65.5 करोड़ लोगों के पास अभी भी बिजली की सुविधा नहीं है और लगभग दो अरब लोग खाना पकाने के लिए प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन और तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनके स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में किया गया है।

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि इसका सबसे ज्यादा असर उप सहारा अफ्रीका पर पड़ा है। यहां 56 करोड़ से ज्यादा लोग बिना बिजली के रह रहे हैं और 97 करोड़ लोगों के पास खाना पकाने के लिए साफ-सुथरे ईंधन की सुविधा नहीं है।

ट्रैकिंग एसडीजी 7: द एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट के नए संस्करण में उपलब्ध विवरण चिंताजनक है। इसमें 2023 और 2024 के अध्ययन के हवाले से बताया गया है कि ज्यादातर इलाके सभी के लिए बिजली की सुविधा (यूनिवर्सल एक्सेस) के करीब पहुंच रहे हैं, वहीं उप सहारा अफ्रीका में प्रगति काफी धीमी है।

2030 तक सभी के लिए बिजली की सुविधा का लक्ष्य पाने के लिए इसकी रफ्तार को तीन गुना करना होगा।

इन चुनौतियों के बावजूद, टिकाऊ ऊर्जा (सस्टेनेबल एनर्जी) के कई क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति हुई है। इसने दुनिया भर में बिजली की कुल खपत में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी निभाई है। साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की क्षमता 544 वाट प्रति व्यक्ति के वैश्विक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई।

विकासशील देशों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय पब्लिक फ़ाइनेंशियल फ़्लो में थोड़ी बढ़ोतरी हुई और यह 24.6 बिलियन डालर तक पहुंच गया।

रिपोर्ट में चेताया गया है कि अगर तुरंत और बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की गई तो दुनिया 2030 तक सभी के लिए सस्ती, भरोसेमंद, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने वाले एसडीजी 7 के लक्ष्य को हासिल करने में पीछे रह जाएगी।

मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट अभी भी जारी है। सबसे गरीब देशों में फंड का स्तर या तो एसडीजी 7 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है या फिर उसमें लगातार गिरावट आ रही है। सबसे कम विकसित देशों में स्वच्छ ऊर्जा के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में काफी कमी आई है। 2024 में यह 3.7 अरब डालर रही, जो 2023 के मुकाबले 11 फीसद कम है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल : सत्तारूढ़ दल के सांसद ने पार्टी के राजनीतिक प्रस्ताव का किया विरोध

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के प्रथम महाधिवेशन में प्रदेश सभा को हटाने संबंधी प्रस्ताव के पारित होने के बाद, आरएसपी के निर्वाचित सांसद डा. अमरेश कुमार सिंह ने कहा है कि लोकतंत्र, संघीयता और समावेशिता में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा। जनकपुरधाम से सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया सार्वजनिक करते हुए सांसद सिंह ने कहा कि नेपाल की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संघीय शासन प्रणाली और समावेशी चरित्र के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश हुई तो नेपाली जनता उसका सशक्त विरोध करेगी। उन्होंने कहा, जगत जननी सीतामाता की भूमि जनकपुरधाम से आज फिर कह रहा हूं— नेपाल के लोकतंत्र, संघीयता और समावेशिता के साथ यदि कोई छेड़छाड़ करता है, तो नेपाली जनता उसका मजबूती से प्रतिरोध करेगी। सांसद सिंह ने कहा कि नेपाली जनता की मुख्य अपेक्षा सुशासन और समृद्धि है। उन्होंने राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों से इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने कहा, जनता सुशासन और समृद्धि चाहती है। हम हर कदम पर जनता के साथ रहेंगे। आरएसपी द्वारा प्रथम महाधिवेशन में प्रदेश सभा खारिज करने की नीति पारित किए जाने के बाद राजनीतिक हलकों में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। पार्टी ने अपने महाधिवेशन में प्रदेश सभा समाप्त करने से संबंधित नीति दस्तावेज को मंजूरी दी थी।

बिल गेट्स का दावा: एपस्टीन ने विवाहेतर संबंधों को लेकर ब्लैकमेल करने का किया प्रयास

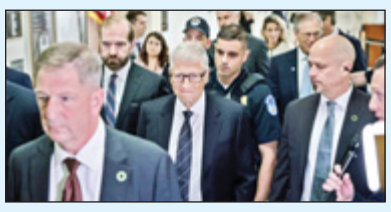

वाशिंगटन। माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष बंद-दरवाजा गवाही में खुलासा किया है कि दिवंगत वित्त कारोबारी और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने उन्हें उनके विवाहेतर संबंधों से जुड़ी जानकारी के आधार पर ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। गेट्स ने दावा किया कि एपस्टीन उन्हें दोबारा अपने संपर्क में लाना चाहता था, लेकिन उसका यह प्रयास सफल नहीं हुआ। इस खुलासे का विवरण सार्वजनिक किए गए गेट्स की 10 जून को हुई गवाही के ट्रांसक्रिप्ट में है, जो एपस्टीन के नेटवर्क और प्रभावशाली व्यक्तियों से उसके संबंधों की व्यापक जांच का हिस्सा है। गेट्स ने स्वीकार किया कि 2008 में यौन अपराधों के लिए एपस्टीन को दोषी ठहराने के बावजूद, उन्होंने 2011 में उससे संपर्क किया। उन्होंने बताया कि 2014 तक उन्होंने एपस्टीन से सभी संबंध समाप्त कर लिए थे। संबंध खत्म होने के बाद, एपस्टीन ने उन्हें दोबारा अपने संपर्क में लाने के लिए उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी का दुरुपयोग किया। गेट्स ने अपनी दो वयस्क रूसी महिलाओं के साथ विवाहेतर संबंध होने की पुष्टि की, लेकिन स्पष्ट किया कि उनका एपस्टीन के किसी भी आपराधिक नेटवर्क या गैरकानूनी गतिविधियों से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने एसटीडी, इ्रस या महिलाओं से मिलवाने संबंधी एपस्टीन के किसी भी आरोप को सिरे से खारिज किया, और इस बात पर जोर दिया कि एपस्टीन ने कभी उनके लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की।

300 किमी की गति से दौडने वाली बुलेट ट्रेन में 60 साल में नहीं हुई दुर्घटना

टोक्यो। जापानी की लगभग 300 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन शिंकानसेन न केवल अपनी रफ्तार बल्कि सुरक्षा और समय की पाबंदी के लिए भी पूरी दुनिया में मिसाल मानी जाती है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि संचालन शुरू होने के बाद से अब तक शिंकानसेन में किसी भी यात्री की जान लेने वाली दुर्घटना नहीं हुई है। न तो इसकी किसी अन्य ट्रेन से टक्कर हुई और न ही यह किसी बड़े हादसे का शिकार बनी। वर्ष 1964 में टोक्यो ओलंपिक से पहले शुरू हुई यह हाई-स्पीड रेल सेवा आज जापान की तकनीकी क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक बन चुकी है। पिछले छह दशकों में यह प्रणाली 10 अरब से अधिक यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचा चुकी है। शिंकानसेन की सफलता का सबसे बड़ा कारण इसका विशेष रेल नेटवर्क है। इसके लिए अलग पटरियां बनाई गई हैं, जिन पर न तो मालगाड़ियां चलती हैं और न ही सामान्य यात्री ट्रेनें। इससे टक्कर की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। इसके अलावा अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रणाली लगातार ट्रेन की गति, दूरी और संचालन की निगरानी करती रहती है। यदि चालक से कोई गलती होने की आशंका भी होती है।

12 साल के बच्चे ने 6 घंटे तक हाईवे पर दौड़ाई कार , पुलिस ने पकड़ा तो बताया खुद को बौना

बीजिंग

चीन के गुआंग्शी शहर में एक अविश्वसनीय घटना सामने आई है, जहां लगभग 12 साल के एक लड़के ने 6 घंटे तक अकेले हाईवे पर कार दौड़ाई। जब पुलिस ने उसे पकड़ा तो उसने खुद को बौनापन का शिकार बताया और दावा किया कि वह एक वयस्क है। इस घटना ने पुलिस और सोशल मीडिया यूजर्स दोनों को हैरान कर दिया है, क्योंकि यह न केवल सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा था बल्कि एक बच्चे की असाधारण हिम्मत और गैर-जिम्मेदारी को भी उजागर करता है। लुओ नाम के इस लड़के को 15 जून को एक टोल प्लाजा कर्मचारी ने पहली बार देखा। उसकी कद-काठी बेहद छोटी थी, जिस कारण कर्मचारी को तुरंत शक हुआ कि यह व्यक्ति वाहन चलाने के लिए बहुत छोटा है।

जब उससे पूछताछ की गई तो उसने दावा किया कि वह एक वयस्क है, लेकिन वह बौनापन से पीड़ित है। हालांकि, उसकी बात पर किसी को भी आसानी से भरोसा नहीं हुआ और संदेह गहराने पर तुरंत पुलिस को बुला लिया गया। पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ कि वह सिर्फ 12 साल का बच्चा है और उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं है। पूछताछ के दौरान उसने पहले कहा कि वह अपनी चाची की कार लेकर दादी के घर जा रहा था। लेकिन बाद में उसने स्वीकार किया कि कार पड़ोसी की थी और उसने चाबी चोरी की थी।सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि लड़का सुबह करीब 4 बजे अपने घर से निकला था। पुलिस के रोके जाने तक वह 6 घंटे से भी ज्यादा समय तक हाईवे पर गाड़ी चला चुका था। उसने पूरे रास्ते टोल टैक्स भी भरा, जो उसकी योजनाबद्ध तरीके से की गई इस हरकत को दर्शाता है।

आखिरकार वह तब पकड़ा गया जब उसके पैसे खत्म हो गए और वह आगे टोल नहीं दे पाया। लुओ ने पुलिस को बताया कि उसने और उसके दोस्तों ने खुद ही ड्राइविंग सीख ली थी और वह पहले भी कई बार सड़कों पर कार चला चुका था। यह दर्शाता है कि यह उसकी पहली ऐसी हरकत नहीं थी, जिससे घटना की गंभीरता और बढ़ जाती है।पुलिस ने इस घटना को बेहद खतरनाक बताया और कहा कि इससे एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी, जिसमें न केवल बच्चे की जान बल्कि अन्य राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। अधिकारियों ने लड़के के माता-पिता और कार मालिक दोनों को थाने बुलाया और उन्हें इस गंभीर चूक के लिए कड़ी चेतावनी दी। साथ ही, परिवार को बच्चे को यातायात के नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में बेहतर शिक्षा देने की सलाह दी गई, ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी खतरनाक घटना की पुनरावृत्ति न हो। इस घटना पर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हुई। कुछ यूजर्स ने बच्चे की इस हरकत को बेहद खतरनाक बताते हुए लिखा कि इससे कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। वहीं, कुछ अन्य यूजर्स ने इस बात पर हैरानी जताई कि पड़ोसी को तो पता भी नहीं था कि उसकी कार गायब है, जो सुरक्षा लापरवाही की ओर भी इशारा करता है। यह घटना बच्चों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति और माता-पिता की निगरानी की आवश्यकता पर गंभीर सवाल उठाती है।

पर्यावरणीय संकट का रूप ले चुकी एल्गल ब्लूम और यूट्रोफिकेशन की समस्या

लंदन। एल्गल ब्लूम और यूट्रोफिकेशन की बढ़ती समस्या दुनियाभर की नदियों और झीलों के सामने गंभीर पर्यावरणीय संकट का रूप ले चुकी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सैटेलाइट मानिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीक इस चुनौती से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके जरिए जल स्रोतों में एल्गल ब्लूम की समय रहते पहचान कर प्रभावी कदम उठाए जा सकेंगे। यह समस्या न केवल जलीय जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही है, बल्कि मानव स्वास्थ्य और स्वच्छ जल आपूर्ति पर भी गहरा असर डाल रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, खेतों में इस्तेमाल होने वाले उर्वरक और शहरों का सीवेज जब नदियों और झीलों में पहुंचता है तो पानी में पोषक तत्वों की मात्रा असामान्य रूप से बढ़ जाती है। इसके परिणामस्वरूप काई यानी एल्गी तेजी से फैलने लगती है और जल सतह पर मोटी परत बना लेती है। यह परत सूर्य की रोशनी को पानी के भीतर तक पहुंचने से रोक देती है, जिससे जलीय पौधों का विकास बाधित होता है और वे धीरे-धीरे नष्ट होने लगते हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब यह एल्गी मरने लगती है। उसे विघटित करने वाले बैक्टीरिया बड़ी मात्रा में आक्सीजन का उपभोग करते हैं, जिससे पानी में आक्सीजन की कमी हो जाती है। इस प्रक्रिया को यूट्रोफिकेशन कहा जाता है। आक्सीजन घटने के कारण मछलियों और अन्य जलीय जीवों का जीवन संकट में पड़ जाता है और कई बार बड़े पैमाने पर उनकी मौत हो जाती है। इससे पूरे नदी तंत्र का संतुलन बिगड़ जाता है। एल्गल ब्लूम का असर केवल जलीय जीवन तक सीमित नहीं है।

मुस्लिम देशों में नहीं बल्कि पाकिस्तान में सुधरी अमेरिका की छवि

वाशिंगटन

अमेरिकी शोध संस्था प्यू रिसर्च सेंटर की हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तान ऐसा एकमात्र मुस्लिम-बहुल देश रहा, जहां अमेरिका के प्रति लोगों की धारणा में सुधार दर्ज किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता प्रक्रिया में पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका को लेकर वहां के लोगों के बीच अमेरिका की छवि अपेक्षाकृत बेहतर हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के घटनाक्रमों के बाद पाकिस्तान में अमेरिका को लेकर सकारात्मक सोच में कुछ वृद्धि देखी गई है। हालांकि, यह बदलाव अमेरिकी नेतृत्व या उसकी नीतियों पर पूर्ण विश्वास के रूप में सामने नहीं आया है। सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान के 82 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर भरोसा नहीं है, जबकि केवल 12 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उन पर विश्वास जताया। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की छवि में सुधार के बावजूद उसके नेतृत्व को लेकर व्यापक स्तर पर संदेह बना हुआ है।

प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में खुलासा, ट्रम्प पर भरोसा अब भी कम

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 76 प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिक मानते हैं कि अमेरिका उनके देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है। यह आंकड़ा दोनों देशों के संबंधों को लेकर पाकिस्तान की जनता के मन में मौजूद अविश्वास और आशंकाओं को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध लंबे समय से सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और क्षेत्रीय राजनीति से प्रभावित रहे हैं। ऐसे में किसी विशेष परिस्थिति में सकारात्मक धारणा बनने के बावजूद जनता के बीच पुराने अनुभवों और राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रभाव बना रहता है। इस आधार पर कहा जा रहा है कि प्यू रिसर्च की रिपोर्ट यह संकेत दे रही है कि पाकिस्तान में अमेरिका के प्रति दृष्टिकोण में कुछ नरमी जरूर आई है, लेकिन अमेरिकी नीतियों, नेतृत्व और क्षेत्रीय हस्तक्षेप को लेकर संदेह अब भी गहरा है।

ट्रंप ने जेलेंस्की की सराहना कर उन्हें रूस के खिलाफ युद्ध में साहसी बताया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर जेलेंस्की की सराहना कर उन्हें रूस के खिलाफ युद्ध में साहसी बताया। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की अपनी स्थिति पर डटे हुए हैं और यूक्रेन काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रूटे के साथ मुलाकात के दौरान, ट्रंप से पूछा गया कि क्या यूक्रेन रूस के खिलाफ लड़ाई जीत रहा है, तब उन्होंने जवाब दिया, वह काफी अच्छा कर रहे हैं। ट्रंप ने युद्ध की मानवीय कीमत को स्वीकार कर कहा कि दोनों तरफ बहुत से लोग मर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन की सैन्य क्षमता और उसके सैनिकों की प्रशंसा करते हुए कहा, आपको कहना होगा कि वे हिम्मतवाले हैं। उनके पास ना केवल बढ़िया उपकरण हैं, बल्कि बढ़िया आदमी भी हैं। उनके पास फाइटर्स हैं।यह टिप्पणी अगले माह अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन की तैयारियों के बीच आई है, जहाँ यूक्रेन को लगातार समर्थन एक प्रमुख मुद्दा रहने की उम्मीद है। नाटो महासचिव रूटे ने कहा कि हाल के महीनों में यूक्रेन की युद्ध क्षेत्र की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उन्होंने कीव को रूसी सेना का सामना करने में मदद करने के लिए लगातार अमेरिकी मदद को श्रेय दिया। रूटे ने कहा, यूक्रेन पिछले पांच, छह महीनों में पहले से कहीं बेहतर कर रहा है।

ट्रंप ने मुनीर प्रेम में खोया अपनी ही पार्टी का भरोसा, अब उन्ही की पार्टी के निशाने पर राष्ट्रपति

वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए अचानक प्रेम दर्शाते हुए पाकिस्तान और कतर को बिचौलिया बनाया, जिसने उनकी अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के भीतर गंभीर असंतोष पैदा कर दिया है। स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच हुई इस शांति वार्ता में इन दोनों देशों की मध्यस्थता की भूमिका ने पार्टी के सीनेटरों को इस कदर भड़का दिया है कि वे खुलेआम ट्रंप की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। रिपब्लिकन पार्टी के दो प्रमुख सीनेटरों ने पाकिस्तान और कतर को आतंकवाद की महफूज पनाहगाह करार दिया है। इस अंदरूनी विद्रोह ने वाशिंगटन में खलबली मचा दी है, क्योंकि ट्रंप पर अपनी ही पार्टी का भरोसा खोने का खतरा मंडराने लगा है।

अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के दो सीनेटरों ने ईरान के साथ युद्धविराम बातचीत में कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दोनों देशों पर आतंकवाद का समर्थन करने का सीधा आरोप लगाया है। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्काट ने कतर और पाकिस्तान पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल की घटनाओं से यह साफ हो गया है कि असल में हमारे दोस्त कौन हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, अब तक सबको समझ आ जाना चाहिए कि हमारे असली दोस्त कौन हैं। कतर और पाकिस्तान का आतंकवादियों को पनाह देने का लंबा इतिहास रहा है। इस समय वे एक सही और स्थायी शांति हासिल करने से ज्यादा ईरान के दशकों पुराने आतंकवादी अभियान को बढ़ावा देने में लगे हुए दिख रहे हैं। स्काट ने यह भी कहा कि अभी भी एक ऐसे समझौते की गुंजाइश है जिससे सभी को फायदा हो, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि इस प्रक्रिया से ईरान के परमाणु हथियार बनाने की संभावना शून्य हो।

वहीं, मोंटाना से रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने भी पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने इस बात की याद दिलाई कि पाकिस्तान ने अल-कायदा के संस्थापक ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छिपाया था, जो उसकी विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। उन्होंने कतर पर भी आतंकवादी संगठनों के लिए पैसे के लेन-देन में मदद करने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में पुलिस पर अवामी लीग के तीन कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप

ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के तीन कार्यकर्ताओं की मौत पर गंभीर सवाल उठे हैं। परिवार वालों का कहना है कि इसमें पुलिस की साजिश है। तीनों की हत्या की गई है। बताया गया है कि चार दिन के अंदर पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में इनकी मौत हो गई। लोगों ने विरोध-प्रदर्शन भी किया है। उल्लेखनीय है कि अवामी लीग पर बांग्लादेश में प्रतिबंध लगा हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, ये घटनाएं 21 जून से 25 जून के बीच बारीसाल, फरीदपुर और चटगांव में हुईं। इनमें वार्डस्तर के अवामी लीग नेता, छात्र लीग के कार्यकर्ता और जुबो लीग के नेता शामिल हैं। अधिकारियों ने हर मामले में अलग-अलग कारण बताए हैं, लेकिन परिवारों और राजनीतिक समर्थकों ने इन मौतों के हालात पर सवाल उठाए हैं। ताजा घटना बुधवार की है। बताया गया है कि चटगांव के सतकानिया उपजिले में ढेमशा यूनियन जुबो लीग के संयुक्त संयोजक नूरुल आलम की मौत हो गई। उन्हें विस्फोटक मामले में जेल भेजे जाने के एक दिन से भी कम समय बाद चटगांव सेंट्रल जेल से चटगांव मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया था।

जेल अधिकारियों ने बताया कि नूरुल ने बुधवार सुबह अस्वस्थ महसूस करने की शिकायत की। पहले उनका इलाज जेल अस्पताल में हुआ और फिर उन्हें चटगांव मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गई। जेल अधिकारियों के अनुसार, उनके मृत्यु प्रमाणपत्र में मौत का कारण सांस लेने में तकलीफ बताया गया है। उनके परिवार ने आधिकारिक स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया और आरोप लगाया कि मंगलवार को डिटेक्टिव ब्रांच पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। उनकी साजिश के तहत हत्या की गई।

यह घटना फरीदपुर के मधुखाली के छात्र लीग कार्यकर्ता मिर्जा इश्तियाक अहमद की मौत के बाद हुई। मिर्जा की रविवार को मौत हो गई थी। उनके परिवार के अनुसार, इश्तियाक को शनिवार दोपहर जिला डिटेक्टिव ब्रांच ने गिरफ्तार किया गया। मां के सामने उसे पीटा गया। अगली सुबह फरीदपुर मेडिकल कालेज अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने उनकी मौत का कारण सार्वजनिक नहीं किया है। इस घटना के बाद मधुखाली में विरोध-प्रदर्शन हुआ। स्थानीय लोगों ने परिवार के अनुरोध पर नाकाबंदी हटाने से पहले लगभग 40 मिनट तक ढाका-खुलना हाइवे जाम रखा।

इस घटना के बाद मंगलवार को फरीदपुर डीबी सदर जोन के प्रभारी अधिकारी सैयद मोहम्मद आलमगीर हुसैन को हटाकर उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया। अधिकारियों ने इसके लिए प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया। इन तीन घटनाओं में से पहली घटना रविवार को बारिसाल में हुई, जहां वार्ड नंबर 1 अवामी लीग के महासचिव राशिद खान मेनन की मौत हो गई। आरोप है कि पुलिस की छापेमारी के दौरान गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में उनकी मौत हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राशिद छतों के जरिये भागने की कोशिश कर रहे थे, तभी वे फिसल गए, उनके सिर में चोट लगी और वे गिर पड़े।